

60 वर्ष पूर्ण होने पर बीएसएफ ने स्थापना दिवस का आयोजन कर स्थापना की हीरक जयंती मनाई

श्री सतीश एस खंडारे, आईपीएस, एडीजी, ने सीमा सुरक्षा बल स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता की

श्री सतीश एस खंडारे ने बीएसएफ की उपलब्धियों और भारत सरकार द्वारा बीएसएफ के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी

चंडीगढ़, 2 दिसंबर 2025: मुख्यालय विशेष महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल चंडीगढ़ ने दोनों कैंपस (बी एस एफ कैंपस लखनौर, मोहाली और इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, चंडीगढ़) में सीमा सुरक्षा बल हीरक जयंती का आयोजन किया गया।

इससे पहले, 21 नवंबर 2025 को, बल मुख्यालय ने 176 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल कैंपस भुज, गुजरात में हीरक जयंती वर्ष कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता भारत के माननीय केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने की। इस दौरान मुख्य अतिथि ने बल के जवानों को वीरता पुरस्कार, विशिष्ट सेवा हेतु राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया। आयोजन के दौरान स्काई डाइविंग और ड्रोन शो का आकर्षण का केंद्र रहे।

आज, श्री सतीश एस खंडारे, भारतीय पुलिस सेवा, अपर महानिदेशक ने पश्चिम कमान के सभी सीमा प्रहरियों के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और देश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीदों को हृदय से श्रद्धांजलि दी।

इसके बाद, अपर महानिदेशक ने लखनौर कैंपस में एक प्रेस ब्रीफिंग की। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा बल की स्थापना 01 दिसंबर 1965 को 'रक्षा की प्रथम पंक्ति' के तौर पर 25 बटालियन के साथ हुई थी, जो अब बढ़कर 193 बटालियन हो गई है एवं पाकिस्तान व बांग्लादेश के साथ कुल 6386 किलोमीटर

अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर की सुरक्षा कर रही है। सीमा सुरक्षा बल की पश्चिमी कमान भारत-पाक बॉर्डर पर 2289.66 किलोमीटर की सुरक्षा कर रहा है।

यह बल विश्व का सबसे बड़ा सीमा को सुरक्षा प्रदान करने वाला बल है, जिसमें एयर-विंग, वॉटर विंग और आर्टिलरी रेजिमेंट है, साथ ही 2.76 लाख से ज्यादा बहादुर पुरुष और महिलाओं को सुरक्षा प्रदान कर रहा है। जहां तक पश्चिमी कमान की बात है, यह 05 फ्रंटियर्स यानी कश्मीर, जम्मू, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के अलावा 03 सहायक प्रशिक्षण केन्द्र के साथ भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर प्रभावशाली सीमा प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है।

दुर्गम इलाके और खराब मौसम के बावजूद, सीमा सुरक्षा बल जवान, घुसपैठ, नशीले पदार्थों, हथियारों, गोला-बारूद की तस्करी जैसे सीमा-पार अपराधों को असरदार तरीके से रोक रहा है। दुश्मन के नापाक इरादों को असफल करने के लिए सीमा सुरक्षा बल की कोशिशों पर रोशनी डालते हुए, अपर महानिदेशक ने मीडिया को विभिन्न ऑपरेशन और उनकी कामयाबियों से अवगत कराया और कहा कि धुंध के मौसम को देखते हुए, सीमा सुरक्षा बल ने असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को रोकने और देश के दुश्मनों से सीमाओं की रक्षा करने के लिए अपनी चैकसी और बढ़ा दी है।

अपर महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल, पश्चिमी कमान ने वर्ष की खास बातों के बारे में बताया-

s ऑपरेशन सिंदूर-

सीमा सुरक्षा बल ने पाकिस्तानी हमले का जवाब देने, बॉर्डर पोस्ट की रक्षा करने, दुश्मन के इंफ्रास्ट्रक्चर को नष्ट करने और घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई। सीमा सुरक्षा बल ने निगरानी और संभावित हमलों के लिए इस्तेमाल होने वाले पाकिस्तानी ड्रोन का सक्रिय रूप से मुकाबला किया, ड्रोन घुसपैठ का पता लगाने और उसे बेअसर करने के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किए। सीमा सुरक्षा बलकर्मियों की बहादुरी की माननीय प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने बड़ी तारीफ की। बतौर सम्मान, बहादुर बी एस एफ कर्मियों को 2 वीर चक्र और 16 वीरता पुरस्कार से नवाजा गया।

s जम्मू और पंजाब में बाढ़ के दौरान बीएसएफ द्वारा बचाव अभियान-

सीमा सुरक्षा बल ने हाल ही में जम्मू और पंजाब में आई 2025 की प्रचंड बाढ़ के दौरान बड़े पैमाने पर बचाव और राहत ऑपरेशन चलाया, साथ ही भारत-पाक बॉर्डर पर कड़ी निगरानी भी

रखी। बी एस एफ ने भारतीय सेना, वायुसेना और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल के साथ मिलकर स्पीडबोट और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करके गुरदासपुर, फिरोजपुर, फाजिल्का, अमृतसर और जम्मू जिलों के बाढ़ प्रभावित इलाकों से हजारों फंसे हुए गांववालों को निकाला। बी एस एफ के हेलिकॉप्टरों ने जम्मू के अखनूर सेक्टर में महिलाओं और बच्चों समेत 45 गांववालों को बचाया। प्रभावित गांवों में राहत और मेडिकल मदद के लिए मुफ्त मेडिकल और पशु चिकित्सा कैंप भी लगाए गए।

s बीएसएफ एंटी ड्रोन सिस्टम -

सीमा सुरक्षा बल, भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर सीमा-पार ड्रोन खतरों का मुकाबला करने के लिए पारंपरिक तकनीकी के मल्टी लेयर्ड तरीके का इस्तेमाल करता है। सिस्टम में रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल, इन्फ्रारेड कैमरे और रेडियो फ्रीक्वेंसी एनालाइजर जैसे कई सेंसर लगे होते हैं ताकि पाक ड्रोन का पता लगाकर ट्रैक करके बेअसर किया जा सके। साल 2025 के दौरान, सीमा सुरक्षा बल ने अपने जिम्मेवारी के इलाके में 278 ड्रोन बरामद किए।

s जब्ती और गिरफ्तारी -

सीमा सुरक्षा बल ने स्मगलिंग और गैर-कानूनी घुसपैठ को रोकने के लिए पाकिस्तान के साथ भारत की पश्चिमी सीमा पर बड़ी मात्रा में जब्ती और गिरफ्तारी की है। पश्चिमी सीमा पर ऑपरेशन, मुख्य रूप से ड्रोन से मादक पदार्थों और हथियारों की स्मगलिंग को रोका गया है। वर्ष 2025 में बीएसएफ ने 380 किलोग्राम से अधिक हेरोइन और 200 से अधिक हथियारों की जब्ती की है। इसके अलावा 53 पाक घुसपैठिए/तस्कर पकड़े गए हैं।

s कैडर समीक्षा-

कैडर रिव्यू की मंजूरी के बाद, खासकर ग्रुप 'बी' और 'सी' की पदोन्नति में लंबे समय से चली आ रही रुकावट को दूर कर दिया गया है और लगभग 23,000 से ज्यादा कर्मचारियों को उनके अगले पद पर पदोन्नत किया गया है। ग्रुप 'बी' और 'सी' के योग्य अधिकारियों को उनके सेवानिवृत्ति के दिन से अगला सीनियर ऑनरेरी रैंक प्रदान किया गया। हाल ही में लिपिक और स्टेनोग्राफर वर्ग का कैडर रिव्यू भी अनुमोदित कर दिया गया है।

इंजीनियरिंग और समूह-‘ए’ राजपत्रित अधिकारियों का कैडर रिव्यू भी जल्द ही अनुमोदित कर दिया जाएगा।

s सीमा सुरक्षा बल में कार्यरत और सेवानिवृत्त जवानों के बच्चों को लाभ पहुंचाने के लिए विभिन्न शिक्षा संस्थानों के साथ किए गए अनुबंधों की जानकारी दी।

s सीमा सुरक्षा बल ने बतौर नोडल एजेंसी राष्ट्रीय एकता दिवस परेड आयोजित की, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के तौर पर सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में सीमा सुरक्षा बल और अन्य केन्द्रीय बल व राज्य पुलिस बलों के पैदल दस्तों ने हिस्सा लिया।

s 10 बटालियन बीएसएफ के कांस्टेबल अनुज को वल्ड पुलिस एवं फायर खेल, अखिल भारतीय पुलिस शूटिंग प्रतियोगिता और विश्व वुशु चैंपियनशिप सहित हाल के अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेल आयोजनों में उनकी असाधारण प्रतिभा और उल्लेखनीय सफलता के लिए आरक्षक से मुख्य आरक्षक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई।

s इसी तरह, 155 बटालियन सीमा सुरक्षा बल की महिला कांस्टेबल शिवानी को भी ब्राजील में 17 वीं वल्ड वुशु चैंपियनशिप 2025 के दौरान सिल्वर मैडल जीतने पर मुख्य आरक्षक के पद पर आउट ऑफ टर्न प्रमोशन (बी एस एफ में अपनी सर्विस के सिर्फ पाँच महीने के अंदर) दिया गया। बी एस एफ में 21 साल के अंतराल के बाद इस तरह का आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया गया।

अंत में, अपर महानिदेशक ने दोहराया कि कई मुश्किलों के बावजूद, अंतर्राष्ट्रीय सीमा और लाइन ऑफ कंट्रोल पर तैनात बी एस एफ के जवान, ‘जीवन पर्यन्त कर्तव्य’ के अपने नारे को ध्यान में रखते हुए, जिम्मेदारी के इलाके में अपना कर्तव्य निर्वहन कर रहे हैं।

जल्द ही इस मुख्यालय में सराहनीय सेवा हेतु पुलिस पदक घोषित किए गए कार्यरत व सेवानिवृत्त कर्मियों को सम्मानित करने के लिए पदक अलंकरण समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इस दौरान 'बड़ाखाना' और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बी एस एफ के जवानों और सेवानिवृत्त कर्मियों ने हिस्सा लेकर आयोजन को सफल बनाया। अपर महानिदेशक ने आयोजन में मौजूद बलकर्मियों से सीमा पर सतर्क रहने और बल का सम्मान बनाए रखने की हरसंभव कोशिश करने को कहा।

आर एन